अध्याय – 10 | कारक

QUIZ-01

1. कति कारकाणि सन्ति ?

A. पञ्च B. षट्
C. चत्वारि D. सप्त (B)

व्याख्या : संस्कृत में कारक 6 होते हैं। संबंध को कारक नहीं माना जाता अतः कर्ता, कर्म, करण, संप्रदान, अपादान, अधिकरण ये ही 6 कारक होते हैं ।

2. कारकः इत्यत्र कः प्रकृति प्रत्ययोऽस्ति?

A. कृ+ ण्वुन् B. कृ+अकः
C. कृ+बुन् D. कृ+ण्वुल् (D)

व्याख्या : कारकः में कृ धातु के साथ ण्वुल् प्रत्यय लगा है। ण्वुल् प्रत्यय में वु शेष रहता है और वु को अक आदेश होता है।

3. कारकभेदो नास्ति।

A. करणम् B. सम्प्रदानम्
C. अधिकरणम् D. सम्बन्धः (D)

व्याख्या : संस्कृत में कारक 6 होते हैं। संबंध को कारक नहीं माना जाता। अतः कर्ता, कर्म, करण, संप्रदान, अपादान, अधिकरण ये ही 6 कारक होते हैं ।

4. एतेषु किं शुद्धं वाक्यं नास्ति ?

A. हिमवतो गङ्गा प्रभवति।
B. हिमालयाद् गङ्गा प्रभवति।
C. हिमगिर्यः गङ्गा प्रभवति।
D. हिमगिरेः गङ्गा प्रभवति। (C)

व्याख्या : हिमालय से गंगा निकलती है। जहां से किसी वस्तु का उद्भव होता है उस उद्गम स्थान में पंचमी विभक्ति का प्रयोग होता है। यहां हिमगिर्यः गङ्गा प्रभवति वाक्य अशुद्ध है। इस वाक्य में षष्ठी विभक्ति का प्रयोग हुआ है।

5. सार्क-सार्धं समं योगे का विभक्तिः सञ्जते ?

A. प्रथमा B. चतुर्थी
C. द्वितीया D. तृतीया (A)

व्याख्या : सह,साकं,सार्धं,समम् शब्दों के साथ जिसके साथ जाया जाता है उसमें तृतीया विभक्ति का प्रयोग होता है।

6. अक्ष्णा काणः का विभक्तिः सञ्जते ?

A. प्रथमा
B. चतुर्थी
C. द्वितीया
D. तृतीया (D)

व्याख्या : शरीर के जिस अंग में विकार होता है उसमें तृतीया विभक्ति का प्रयोग होता है। यहां व्यक्ति आंख से काना है अतः आंख में तृतीया विभक्ति का प्रयोग हो अक्ष्णा काणः बना।

7. हरये नमः इत्यत्र हरिशब्दे विभक्तिरस्ति-

A. चतुर्थी B. सम्बोधनम्
C. द्वितीया D. प्रथमा (A)

व्याख्या : नमः, स्वस्ति, स्वाहा, स्वधा ,अलं, वषट् शब्दों के साथ चतुर्थी विभक्ति का प्रयोग किया जाता है। यहां नमः शब्द के योग में जिसे नमस्कार किया जाता है उसमें चतुर्थी विभक्ति का प्रयोग किया गया है अर्थात् हरि शब्द में चतुर्थी विभक्ति का प्रयोग किया गया है।

8. समया इति योगे विभक्तिः स्यात्-

A. द्वितीया B. तृतीया
C. पञ्चमी D. सप्तमी (A)

व्याख्या : अभितः परितः समया निकषा आदि के साथ उपपद विभक्ति के रूप में द्वितीया विभक्ति का प्रयोग किया जाता है। उदाहरण के रूप में विद्यालयं समया देवालयः अस्ति।

9. धिक् इति शब्दयोगे विभक्तिर्भवति-

A. प्रथमा
B. द्वितीया
C. तृतीया
D. चतुर्थी (B)

व्याख्या : धिक् शब्द के योग में जिसको धिक्कारते हैं उसमें द्वितीया विभक्ति का प्रयोग किया जाता है।

10. अभितः,परितः इति योगे का विभक्तिः स्यात् ?

A. प्रथमा B. द्वितीया
C. तृतीया D. सप्तमी (B)

व्याख्या : अभितः परितः समया निकषा आदि के साथ उपपद विभक्ति के रूप में द्वितीया विभक्ति का प्रयोग किया जाता है। उदाहरण के रूप में देवालयं परितः वृक्षाः सन्ति।

मिशन ज्ञान
जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसा चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App